

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

माध्य प्रदेश
साइबर पुलिस
के कुत्ताएं
युवकों को
यादी का झांसा
देकर लारकों
परेंगे।

ऐसे चलता है
ठगी का धंधा



DETECTIVE
GROUP
Detecting the truth

SAAT JANMO KA BANDHAN YA JHUT FAREB KI ULJHAN

PATA KARE SACH, DETECTIVE KE SANG

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे www.detectivegroup.in पर
Whatsapp us on +91-91110 50101

संपादकीय

जटिलताओं पर गौर करने की जरूरत

दिल्ली के बड़पट इलाके में खित एक रक्तूल में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सिर्फ लंबोगिनी अपने दो महापाठियों को लिंगेटर पीने देख लिया और इलाकी शिकायत कर देने की बात कह दी। यह एक ऐसी बात है, जिसे आम सामाजिक जीवन में विल्कूल सामान्य गतिविधि के तौर पर देखा और लिया जाता रहा है। लेकिन सिर्फ इतने भर के लिए लिंगेटर पीने वाले दोनों छात्रों के भीतर ऐसी प्रतिक्रिया पेड़ा हुई कि वे पहले अपने माहौलों को बहला-फुलाना कर सुनाना जगह पट ले गए, वहाँ उसकी पत्थरों से मार कर हत्या कर दी और शर्क को एक बाले में फेंक दिया। इस अपराध की प्रकृति को देखा जाए तो एकवार्णीय है पैशेंटों की बहलत कर दी गई है, जिसमें योजनाबद्ध तीकरी के अपाराध को अनाम देने और बचने की कोशिश की जाती है। इस घटना में बैटर त्रासद और दुखदय है कि दो ऐसे बच्चे हत्या के आधारी हैं, जो अभी महन करीबी बाबू कर देता जाएगा और उसी मुत्तिकालीन निर्धारण दाना भी तय होगा। लेकिन इस मानवों को सिर्फ एक सामाजिक अपाराध मानने के बायाए इलाकी जटिलताओं पर गौर करने की ज़रूरत है। समाज ये लेकर सरकार को इस पर चिंतित होना चाहिए कि सारांशिक जीवन में कहाँ और क्या ऐसी चुक हो रही है कि जिस उम्र में बच्चों को जलसावध का प्रतीक होना चाहिए, पढ़ाई में दिलचस्पी लेनी चाहिए, मानवीय बातों पर धौँड़ा झांगड़ने के बाद फिर साथ लिल कर छेलना-कूदना और दोस्ती करना चाहिए, प्यार का संदेश बनना चाहिए, उस उम्र में लिंगेटर जैसी लत का विकार होने से आगे तो अतिरुदित मनःस्थिति में चले जा रहे हैं। जितना है कि इतनी कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आकामकता कहाँ से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपाराधी की हृद तक चली जाती है। क्या यह शिक्षा और पालन-पोषण में ज़रूरी तकानों का ख़्याल नहीं टूटने का नतीजा है या यह यह एसे अपाराध की माहौली की देने हैं जो बिना थोट के हमारे आपापाल बन रहा है और या तो हम उस पर ध्यान नहीं दे पाते या फिर उसे अपनी मुत्तिका के तौर पर देखते हैं?

Health is Wealth

बच्चे को लग गई है टीवी की लत, तो ऐसे रखें आंख और कान सुरक्षित

एक शिशु के घर में जन्म लेते ही न सिर्फ परिवार पूरा होता है बल्कि माता-पिता की उसके प्रति कई जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। खासतौर पर तब जब आप पहली बार मां बन रही हों। नवजात बच्चा बहुत ही नाजुक होता है। उसे प्यार दुलार के साथ बहुत देखभाल की भी जरूरत होती है। छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम कमज़ोर होने की वजह से वह रोगों की चपेट में जल्दी आते हैं। समस्या तब और ज्यादा बढ़ जाती है जब पहली बार मां बनने वाली महिलाओं को नवजात की परवरिश से जुड़ी सभी चीजों की ज्यादा जानकारी नहीं होती। ऐसे में अगर आप पहली बार मां बनी हैं तो नवजात शिशु की देखभाल से जुड़ी इन बातों का रखें खास ख्याल।

बच्चे के टीवी मोबाइल देखते समय रखें इन बातों का ध्यान



पतले झंगने की आदत

द नयू झंगने जनन और अंक मॉडेलिंग में प्रभावित एक समस्या के अनुसार फिल्मों में लंबी शर्क के मृणन द्वारा सभी उसको पालन करने के सहायता होती है जिससे लंगने के समान देखने के लिए बच्चों को अपनी हाथों में लाइट की आज्ञा की समस्या होती है। ऐसे में एक आज्ञा की समस्या से बचने के लिए बच्चों को अपनी

उत्तराधिकारी द्वारा लाने।

बड़ी स्तरीय कां करें चुनाव बच्चा निकल या कंटेन्ट देखते रहा है तो उसे सेवानियों के बहलाने से बचाया जाना चाहिए। सबसे अपाराधिक बच्चे की भी खाली रक्षाएं के पांच से अधिक रुक्कों से अपनी चाहिए। स्लेटों के पांच से लाईट अपने पर बच्चे की अंगों पर बढ़ाव

रोशनी का रखे ख्याल

पैकेट इस बात का क्षम्भ रखें कि बच्चे अपने पर बच्चे सुखाने रुक्कों का उपयोग न करें। लैंगन अपने मान करने के बावजूद उसे अपनी जाति नहीं मान सकता है तो डिवाइस लोगों से ५० पैसेट का आवाहन करें।

पड़ता है।

कानों को भी रखे सुरक्षित

अपर आपका बच्चा या बच्चा यारंग ३ लाख से कम उम्र का हो सकता है तो उसे हॉलोग्राफ़ यूज़ करना चाहिए। सबसे अपाराधिक बच्चे करने के बावजूद उसके लिए अपनी जाति नहीं मान सकता है तो डिवाइस लोगों से ५० पैसेट का आवाहन करें।

Highlights

1. Man who attacked priests at Morinda gurdwara dies at hospital

2. Portion of road in Delhi's Hauz Rani caves in after heavy rainfall

3. 29-yr-old former UFC fighter Felipe Colares dies after being hit by a bus

4. Musk to pay \$10,000 to Indian-American critic to settle defamation case

5. Morgan Stanley to lay off 3,000 more employees: Reports

6. Fan travels hours to meet Rakul Preet in Hyderabad, shares picture

IAS aspirant alleges Byju's of 'fraudulent behaviour', court orders refund

NEW DEIHI, (Agency). An Union Public Service Commission (UPSC) Civil Services Exam (CSE) aspirant has filed a complaint against the ed-tech brand Byju's accusing its manager and Bollywood superstar Shah Rukh Khan of 'fraudulent behaviour' and 'unfair trade practices'. Priyanka Dikshit, who started her preparation for the competitive exam in 2021, said in her complaint that she didn't receive the coaching facility from the platform for which she had paid around ₹1.8 lakh, according to Mint.

The complaint was filed at the district consumer court, which then ordered the manager and the Bollywood actor to return the fees along with compensation.

₹1.08 lakh in fees deposited by complainant Priyanka Dixit at the time of admission in 2021 must be returned along with 12 per cent annual interest, while ₹5,000 must be given to her as litigation cost and ₹50,000 as compensation for financial



and mental agony," the court stated in its order as quoted by Mint.

The aspirant also alleged she was lured into the course through false and misleading online advertisements on behalf of Byju's competitors, adding that she was influenced by an advertisement by Shah Rukh Khan. She also said that she was promised a refund which was still not paid.

The district court has given a 30-day deadline to the ed-tech firm's Indore-based manager and the actor to jointly or separately

refund the amount.

The development came after offices of Byju's CEO Raveendran was searched by the Enforcement Directorate (ED) under Foreign Exchange Management Act (FEMA) for allegedly receiving ₹28,000 crore worth of foreign direct investment (FDI) between 2011 and 2023.

However, the Byju's CEO said in a letter to his employees that the education platform has brought more FDI to India than any other startup after fully complying with the applicable FEMA provisions.

GST collection hits highest-ever monthly record in April, reaches 1.87 lakh crore

NEW DEIHI, (Agency). GST collection grew by 12 per cent in April to ₹1.87 lakh crore, the highest monthly mop-up since the rollout of the indirect tax regime.

The gross GST revenue collected in the month of April 2023 is ₹1,87,032 crore of which CGST is ₹38,440 crore, SGST is ₹47,412 crore, IGST is ₹89,158 crore (including ₹34,972 crore collected



on import of goods) and cess is ₹2,025 crore, the finance ministry said in a statement.

The previous high collection of ₹1.68 lakh crore was in April last year.

The revenues for the month of April 2023 are 12 per cent higher than the GST revenues in the same

month last year," the ministry said.

During the month, the revenues from domestic transactions (including import of services) are 16 per cent higher than the revenues from these sources during the same month last year.

The total gross collection for the 2022-23 fiscal stood at ₹18.10 lakh crore, 22 per cent higher than the previous year.

